Edit with WPS Office

पाठ 15

हीरा और कोयला

शब्दार्थ

1. सहोदर - सगा भाई

2.विदित - मालूम

3.कृत्रिम - बनावटी

4.प्रतिष्ठा - सम्मान

5.अनुज- छोटा भाई

6.अग्रज - बड़ा भाई

7.गूढ़ - गहरा

वाक्य बनाओ-

1. सहोदर - मेरा सहोदर बनने का गुण तुझ में नहीं है।

2. मौलिक - तेरा अपना मौलिक प्रकाश नहीं है।

3. उत्कर्ष -तेरे जैसा जलने वाला दूसरों का उत्कर्ष नहीं देख सकता।

4. मार्ग - मैं इन बातों में आकर अपना मार्ग नहीं छोड़ने वाला ।

5. कालापन - तूने अपने हृदय का कालापन स्वीकार नहीं किया।

प्रश्न उत्तर-

उत्तर -1 हीरे को अपने कीमती होने और चमकीला होने का अभिमान था। इस कारण वह कोयले को हीन दृष्टि से देखता था इसलिए वह कोयले को अपना सहोदर नहीं मानना चाहता।

उत्तर- 2 गरीब लोग कोयले की अँगीठी जलाकर अपना भोजन पकाते हैं ।कोयला सबसे सस्ते ईंधनों में से एक है।

उत्तर 3 हीरा बहुमूल्य होने के कारण उसे चुरा लिए जाने का खतरा बना रहता है इसलिए यह खुले में रखा या छोड़ा नहीं जाता।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. हीरे का तर्क है कि वह गोरा चिट्टा है। उसका मानना है कि वह सूरज जैसा चमकता है। उसमें से रंग बिरंगी किरणें निकलती हैं। उसे देखकर लोगों की आँखे खली की खुली रह जाती हैं। उसे पहरेदारी की जरूरत होती है। उसे पाने के लिए एक बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। वह राजाओं के मुकुट में सुशोभित होता है।

2. मुझे कोयले का यह तर्क सबसे अधिक प्रभावित करता है कि-"" मैं जलता हूँ किंतु दूसरों के लिए।मैं अपने कारण दूसरों को नहीं जलता। मैं जलकर गरीबों की ज़रूरतें पूरी करता हूँ।

Edit with WPS Office